सेल्फ एम्प्लॉयड टेलर

योग्यता पैक
रेफ. आई.डी. ए.एम.एच./क्यू1947

क्षेत्र
अपैरल्स, मेडअप्स
एवं होम फर्निशिंग

कक्षा
11वीं एवं 12वीं

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक घटक इकाई, के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्यालता हिल्स, भोपाल – 462002 (म.प्र.)
www.psscive.ac.in

व्यावसायिक शिक्षा

भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी), अनौपचारिक और गैर–औपचारिक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। वीईटी विभिन्न टार्गेट ग्रुप्स और शिक्षार्थियों की कौशल आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रदान किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों में से केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कौशल विकास योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से तैयार किए गए वीईटी प्रावधान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जन शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के माध्यम से प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। शिक्षार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल आकांक्षाओं और शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के व्यवस्थित अधिग्रहण के लिए स्कूल जरूरी वातावरण प्रदान करते हैं। स्कूली शिक्षा आधारित व्यावसायिक ज्ञान विभिन्न नौकरियों की एन्ट्री–लेवल (प्रवेशात्मक स्तर) जरूरतों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न सैद्धांतिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इनका उद्देश्य छात्रों के उन मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं स्वभावगत विशेषताओं का विकास करना हैं जो उन्हें स्किल्ड पशेवर या व्यवसायी बनने में सहायता करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा को समग्र शिक्षा (स्कूली शिक्षा की एक इन्टीग्रेटेड शिक्षा) के अंतर्गत लागू किया गया है।

श्रम बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने और कुशल जनशक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) के लिए मान्यता प्राप्त है। वीईटी विशिष्ट जॉब रोल्स पर केंद्रित है और इस तरह का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को विशिष्ट व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त करता है। यह न केवल व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करता है।

व्यावसायिक विषयों को 2012 में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की संशोधित योजना के तहत पेश किया गया था। इसमें ग्रेड 9 से 12 (4 वर्षीय पैटर्न) में एक जॉबलरोल को पढ़ाया गया था। इस योजना को 2018 में समग्र शिखा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के साथ समग्र शिक्षा में शामिल किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। एनईपी–2020 में उचित सामाजिक स्थिति प्रदान करने और सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना (री–इमेजिंग) की गई है।

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग (एएमएचएफ) सेक्टर के बारे

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर हमारे देश में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। यह विभिन्न तैयार उत्पादों का कच्चे माल से उत्पादन करते हैं। इस क्षेत्र में डिजाइनिंग, पैटर्न, कटिंग, सिलाई, परिधान, मेड–अप और होम फर्निशिंग आइटम की फिनिशिंग और सजावट से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं।

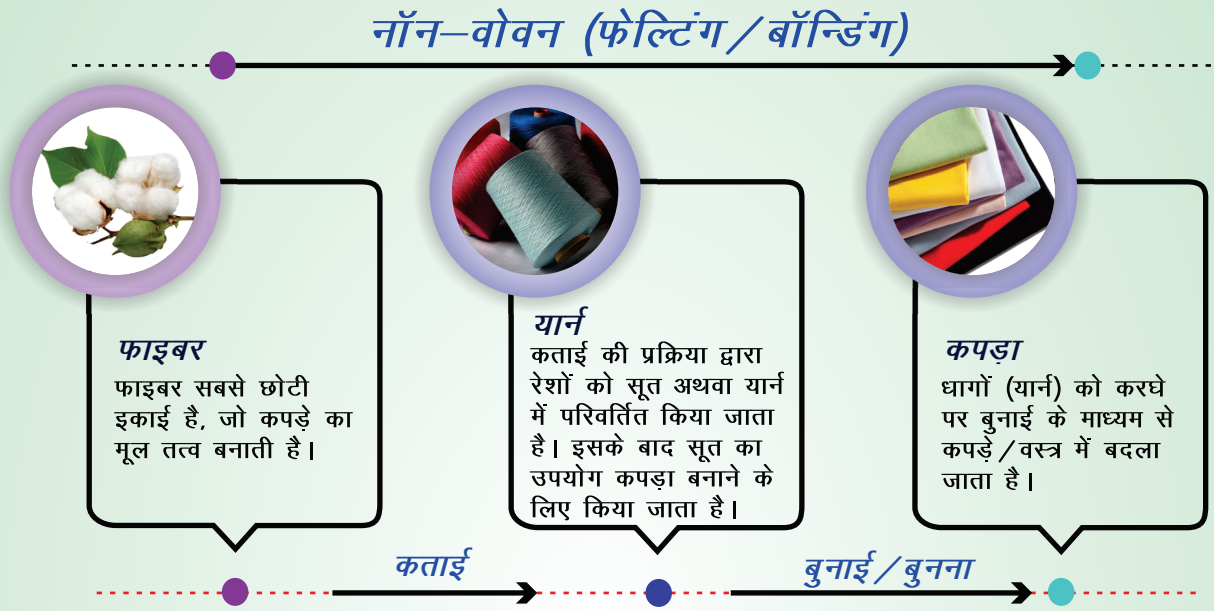

वस्त्र/परिधान उत्पाद विकास योजना के चरणों से होकर गुजरता है और प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण के साथ निष्पादन होता है।

- नियोजन में डिजाइनिंग, लक्ष्य ग्राहक की पहचान, लागत अनुमान आदि जैसी गतिविधियां शामिल हैं।
- निष्पादन में काटना, सिलाई, फिनिशिंग, पैकिंग आदि शामिल हैं।
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- उत्पादों में परिधान, मेड–अप, होम फर्निशिंग और सामान शामिल हैं।

अर्थव्यवस्था में एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

टॅक्सटाइल व अपैरल उद्योग भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार का माध्यम है। भारत न केवल कपास, जूट व सिल्क के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है बल्कि इस उद्योग में बड़ी संख्या में रोजगार देने की भी क्षमता है। इन उद्योगों में लगने वाले मैन पावर की ट्रेनिंग एएमएचएफ सेक्टर के विभिन्न जॉब रोल्स के माध्यम से की जाती है।

उपर्युक्त चित्र भारत के विकास में एएमएचएफ क्षेत्र के योगदान को दर्शाता है। एएमएचएफ ने न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान दिया है, बल्कि निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है। यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन में युवाओं के विकास और जीवन स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

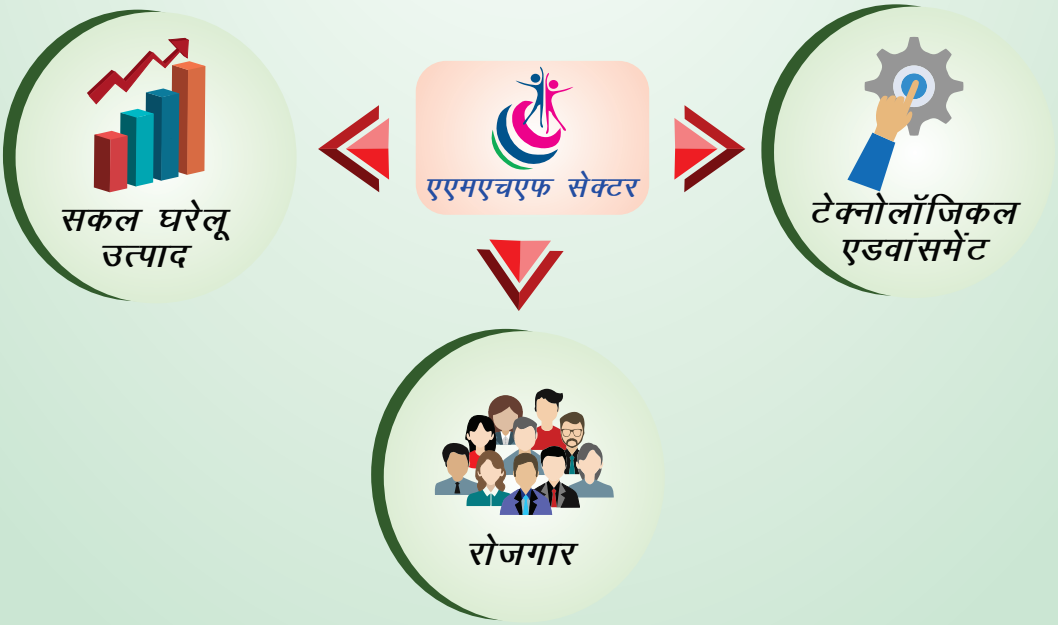

एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

परिधान उद्योग के घटक

एएमएचएफ क्षेत्र को दो प्रमुख खंडों में विभाजित किया जा सकता है:

- फाइबर टू फैब्रिक (कपड़ा उद्योग)
- फैब्रिक टू प्रोडक्ट (परिधान उद्योग)

एएमएचएफ क्षेत्र में कपड़ा उद्योग में फाइबर को धागे या कपड़े (नॉन वोवन) और धागे को कपड़े (वॉवन/निटेड कपड़ा) में बदलना शामिल है। कपड़े को रंगाई, छपाई, कढ़ाई, अलंकरण और परिष्करण तकनीकी का उपयोग करके सुंदर बनाया जाता है।

उपर्युक्त तरीके से कपड़ा बनाने के बाद कपड़ा उद्योग में इस कपड़े से तैयार परिधान, होम फर्निशिंग वस्तुऐं और एसेसरीस आदि बनाए जाते हैं।

एएमएचएफ से जुड़े अन्य उद्योग हैं:

परिधान उद्योग बहुत ही विस्तृत है तथा इसमें विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं को अंजाम दिया जाता है। यह एक डिजाइन विचार से शुरू होता है और परिधान तैयार होकर ग्राहक तक पहुंचने पर खत्म होता है। ये प्रक्रियाएं एक परिधान उद्योग के विभिन्न विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं। प्रत्येक विभाग एक विशिष्ट कार्य के लिए जिम्मेदार होता है और सभी विभागों का उद्देश्य उचित लागत और समय के भीतर अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना होता है। विभिन्न विभाग इस प्रकार हैं–

- मर्चेंडाइजिंग विभाग
- स्टोर विभाग
- कटिंग विभाग
- सिलाई विभाग
- धुलाई विभाग
- परिष्करण और पैकिंग विभाग
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- रखरखाव विभाग
- वित्त और लेखा विभाग
- प्रशासन विभाग

जॉब रोल के बारे में

अपैरल मेड–अप्स होम फर्निशिंग क्षेत्र में विभिन्न जॉब रोल हैं जिन्हें कोई भी अपने पेशे के रूप में चुन सकता है और अपने कौशल को बढ़ा सकता है। यह क्षेत्र उभरते उम्मीदवारों को नौकरी के कई अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है। इसमें परिधान उद्योग से संबंधित सभी नौकरियां जैसे पैटर्न मास्टर, स्व–नियोजित दर्जी, हाथ कढ़ाई आदि और स्व–स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय जैसे कढ़ाई इकाई, बुटीक, डिजाइन स्टूडियो आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) द्वारा एपेरल, मेड–अप और होम फर्निशिंग सेक्टर के तहत जॉब रोल निम्नानुसार हैं:

01	फेब्रिक चेकर
02	इन-लाइन चेकर
03	लेयरमैन
04	माप परीक्षक
05	प्रेसमैन
06	सिलाई मशीन ऑपरेटर
07	कढ़ाई मशीन ऑपरेटर (जिगजैग मशीन)
08	निर्यात सहायक
09	फ्रेमर- कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन
10	गारमेंट कटर (सीएएम)
11	हाथ की कढ़ाई
12	गुणवत्ता मूल्यांकनकर्ता
13	नमूना करण दर्जी
14	एडवांस पैटर्न मेकर (सीएडी/सीएएम)
15	फेशन डिजाइनर
16	क्यूसी कार्यकारी- सिलाई लाइन
17	मर्चेंडाइजर
18	मशीन रखरखाव मैकेनिक (सिलाई मशीन)
19	निर्यात कार्यकारी
20	निर्यात प्रबंधक
21	सैंपल कोऑर्डिनेटर
22	औद्योगिक अभियंता (आईई) कार्यकारी
23	उत्पादन पर्यवेक्षक सिलाई
24	फैक्टरी अनुपालन लेखा परीक्षक
25	विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर
26	सहायक डिजाइनर- होम फर्निशिंग
27	सहायक डिजाइनर- मेडअप्स
28	सहायक फैशन डिजाइनर
29	बुटीक प्रबंधक
30	कटिंग सुपरवाइजर
31	फेब्रिक कटर-(परिधान निर्मित अप और होम फर्निशिंग)
32	फिनिशर
33	हाथ की कढ़ाई (अड्डावाला)
34	लाइन पर्यवेक्षक सिलाई
35	मर्चेंडाइजर-मेड-अप और होम फर्निशिंग
36	ऑनलाइन नमूना डिजाइनर
37	पैकर
38	पैटर्न मास्टर
39	प्रसंस्करण पर्यवेक्षक (रंगाई और मुद्रण)
40	रिकॉर्ड कीपर
41	स्व-नियोजित दर्जी
42	सिलाई मशीन ऑपरेटर (बुना हुआ)
43	सोर्सिंग मैनेजर
44	स्टोर कीपर
45	वाशिंग मशीन ऑपरेटर

इस क्षेत्र में महत्तवपूर्ण नौकरी की भूमिकाओं में से एक स्व–नियोजित दर्जी हैं। अपैरल मेड–अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक हैं और इसमें उनकी गुणवत्ता, मर्चेंडाइजिंग और निर्यात पहलू भी शामिल हैं। इस क्षेत्र के बहुत महत्तवपूर्ण क्षेत्रों में से एक सिलाई हैं। एक स्व–नियोजित दर्जी एक पेशेवर ड्रेसमेकर हैं, जिसे सिलाई और ड्रेसमेकिंग का अच्छा ज्ञान हैं।

सीखने के अनुभव के माध्यम से ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए विकसित किया गया हैं, जो अनुभवात्मक शिक्षा का एक हिस्सा हैं।

स्व–रोजगार दर्जी की भूमिकाएँ एवं जिम्मेदारियाँ

अनुकूलित कपड़ो की सिलाई

शरीर का माप लेना, कपड़ा काटना और सिलाई करना

कपड़ो की फिटिंग सही करना

कक्षा–11वीं

सेल्फ एम्प्लॉयड टेलर जॉब रोल की कक्षा 11वीं की पाठ्य–पुस्तक में निम्नलिखित सूची दिए गए है

इकाई–1 ▶ वस्त्र, सिलाई एवं सिलाई मशीन से परिचय

इस इकाई में छात्रों को सिलाई मशीन के विभिन्न प्रकार के पुर्जो के बारे में बताया जाएगा। साथ ही साथ वस्त्र (गार्मेंट) निर्माण का संक्षिप्त इतिहास, टेलर (दर्जी) की भूमिका के बारे में भी चर्चा की जाएगी।

इकाई–2 ➤ सिलाई मशीन की कार्यप्रणाली व सिलाई के उपयोग आने वाले विभिन्न उपकरण

इस इकाई में छात्र मापन, अंकन व कंटिग में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न छोटे–बड़े उपकरणों के बारे में जानेंगें। विभिन्न प्रकार की सुइयों, धागों कैंचियों आदि के बारे में भी चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही छात्र इस इकाई में सिलाई मशीन के संचालन को भी सीखेंगें।

इकाई–3 ➤ वस्त्र निर्माण के आधारभूत नियम

छात्रों को इस इकाई में विभिन्न प्रकार के सिलाई के टाँको, सीम्स (सिलाई के जोड़) और सीम्स के परिष्करण (फिनिशिंग) के बारे में बताया जाएगा। वस्त्र (गार्मेंट) के विभिन्न भागों जैसे कि कॉलर, बाँहे, घेर तथा वस्त्र में डलने वाली पट्टियों, बटन, सजावटी सामान के बारे में भी चर्चा की जाएगी। वस्त्र में घेर हेतु प्लीट्स, चुन्नटों, टक्स आदि के बारे में भी इस इकाई में पढ़ाया जाएगा।

इकाई–4 ➤ मापन (Body Measurement) की तकनीक/विधि

इस यूनिट में छात्र वस्त्र निर्माण हेतु शारीरिक माप लेने की तकनीक के बारे में विस्तारपूर्वक जानेंगें। इसे साथ ही वे पैटर्न मेंकिग की विभिन्न विधियों व तकनीकों के बारे में जान पाएँगे। ड्रॉफ्टिंग की अलग–अलग तकनीकों के बारे में भी विस्तारपूर्वक चर्चा की जाएगी।

इकाई–5

बच्चों एवं महिलाओं के परिधान व उनका निर्माण

इस इकाई में विभिन्न परिधानों के लिए वस्त्र/कपड़ों के चयन हेतु मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी। विभिन्न परिधानों हेतु पैटर्न मार्किंग व पैटर्न के ले आउट के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया जाएगा। साथ ही साथ ड्राफ्टिंग के महत्त्व व सिद्धांतों के बारे में भी इस इकाई में पढ़ाया जाएगा। बच्चों के विभिन्न परिधानों जैसे कि झबला, फ्रॉक, अंतःवस्त्र (जॉगिया) के लेआउट को भी विस्तारपूर्वक समझाया जाएगा। महिलाओं हेतु सलवार, कुर्ता, ब्लाउस, नाइटी, आदि का लेआउट, मार्किंग व कटिंग को भी इस इकाई में पढ़ाया जाएगा।

इकाई–6

सिलाई मशीन की देखभाल व रखरखाव

सिलाई मशीन के सुचारू रूप से कार्य करने हेतु जरूरी नियमों व जानकारियों का ज्ञान इस इकाई में दिया जाएगा। सिलाई मशीन की साफ–सफाई, ऑयलिंग व उसके सही इस्तेमाल के बारे में भी चर्चा की जाएगी। मशीन में आने वाली विभिन्न समस्याऐं और उन्हे दूर करने के बारे में भी इस इकाई में बताया जाएगा।

कक्षा–12वीं

इकाई 1 वस्त्रों की ड्राफ्टिंग, कंटिंग और सिलाई की प्रक्रिया

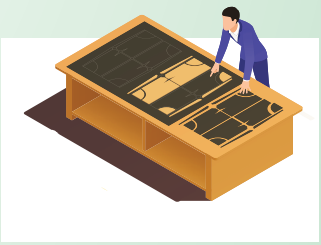

इस इकाई में मुख्यतया गार्मेंट की कंटिंग हेतु डिजाइन पौटर्न व टेम्पलेट्स की कटिंग के बारे मे पढ़ाया जाएगा। ड्राफ्टिंग, ड्रेपिंग व कन्सट्रक्शन तकनीक के बारे में पढ़ाया जाएगा। अलग–अलग तरह के वस्त्र जैसे कि कलीदार कुर्ता, चुड़ीदार पजामा, कटोरी ब्लाउस, सरक्युलर स्कर्ट, नेहरू कुर्ता पजामा, सिंगल ब्रेस्ट कट के बारे में भी पढ़ाया जाएगा।

इकाई 2 डार्ट मैनीपुलेशन

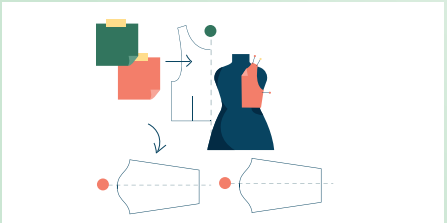

इस इकाई में छात्र डार्ट के महत्त्व व डार्ट के प्लीट, चुन्नट और स्टायल लाइन में बदलने की विधियों के बारे में विस्तारपूर्वक पढ़ेंगें। डार्ट के माध्यम से कपड़ो की फिट व सुंदरता बढ़ाने के बारे में भी में विस्तारपूर्वक चर्चा की जाएगी। विभिन्न प्रकार के डार्टों के बारे में भी इस इकाई में पढ़ाया जाएगा।

इकाई 3
फिटिंग में समस्याऐं व उनका निवारण तथा उचित फिनिशिंग

इस इकाई में छात्र फिटिंग में आने वाले विभिन्न समस्याओं के बारे में पढ़ेंगें, साथ ही साथ वे फिंटिंग में होने वाले समस्याओं के निवारण के बारे में भी पढ़ेंगें। फिगर (शारीरिक) समस्याओं का ज्ञान व उचित फिटिंग से उनके निवारण के बारे में भी चर्चा इस इकाई में की जाएगी। अलग–अलग तरह की शारीरिक संरचना जैसे कि आवरग्लास फिगर, ओवल फिगर आदि के बारे में भी चर्चा की जाएगी। एक सिले हुए परिधान की पूरी फिनिशिंग जैसे कि अतिरिक्त एवं अनचाहे धागों की कटाई, टॅक्स लगाना, इस्त्री करना, आदि के बारे में भी बताया जाएगा।

इकाई 4
गृह सज्जा में काम आने वाले वस्त्रों का सामान्य ज्ञान एवं समझ

इस इकाई में सामान्य तौर पर घर की सजावट व घर में अन्य इस्तेमाल के लिए लगने वाले वस्त्रों पर चर्चा की गई है। बेड लिनिन जैसे कि चादर, गिलाफ, किचन एवं बाथरूम में उपयोगी वस्त्र, पर्दों आदि के बारे में भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई है। एप्रिन का कंस्ट्रक्शन और सिलाई भी इस इकाई में सिखाया गया है।

इकाई 5
औद्योगिक जोखिम व उनसे बचने के उपाय

इस इकाई में टेलरिंग यूनिट (सिलाई यूनिट) में आमतौर पर घटने वाले नुकसान व जोखिमों के बारे में बात की गई है। आग, रसायन, जीवाणुओं आदि से जोखिम व नुकसान के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई है। साथ ही साथ उत्तम प्रकाश व्यवस्था व उसके लाभ के बारे में भी बताया गया है। कैंची व अन्य धारदार वस्तुओं से होने वाली दुर्घटनाओं तथा उनसे बचाव के बारे में भी इस इकाई में बात की गई है। आपातकालीन बचाव, सुरक्षा चिन्हों आदि के बारे में भी में बताया गया है।

नौकरी के अवसर

सेल्फ एम्पलॉयड टेलर जॉब रोल के कोर्स की पूर्णता के पश्चात् निम्नलिखित क्षेत्रों में नौकरियाँ प्राप्त की जा सकती हैं।

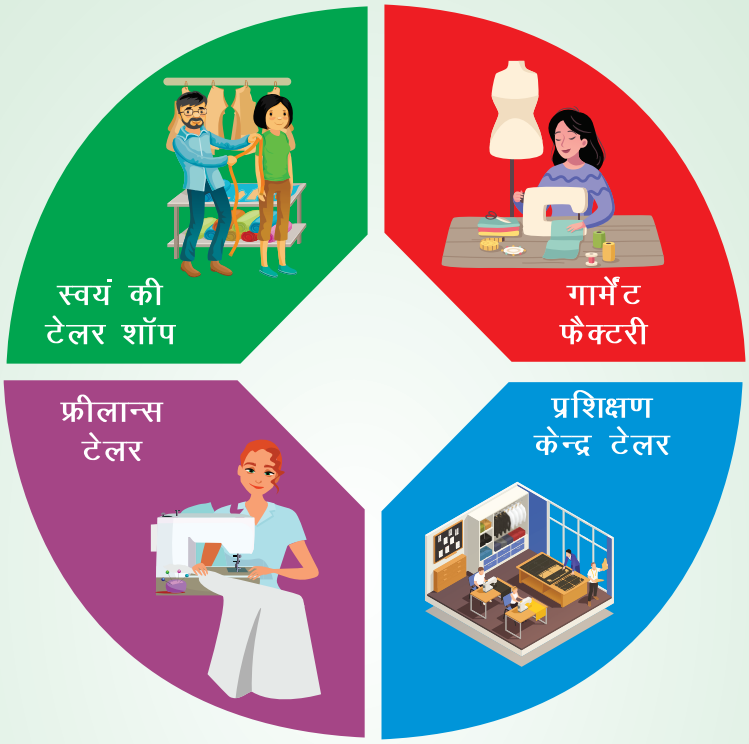

आगे बढ़ने के अवसर

01 मास्टर टेलर

02 स्वयं का बिजनिस गार्मेंट मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट

03 स्वयं की टेलर शॉप

04 ई–कॉमर्स व्यावसाय

05 एन.जी.ओ. एवं ट्रेनिंग केन्द्र के साथ कार्य

ऑन जॉब ट्रेनिंग

- ❒ डिजाइन हाउस
- ❒ गार्मेंट यूनिट
- ❒ फैक्टरी / एक्सपोर्ट हाउस
- ❒ बुटीक
- ❒ एन.जी.ओ.
- ❒ स्किल ट्रेनिंग सेन्टर

PSSCIVE के बारे में

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है। यह शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत [पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.)], भारत सरकार द्वारा 1993 में स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) की एक घटक इकाई है। यह भारत में यू.एन.ई.वी.ओ.सी. (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना) का नेटवर्क केंद्र भी है। संस्थान के पास विभिन्न विषयों के लिए बनाए गए विभागों के साथ 35–एकड़ में बना हुआ परिसर है। यहाँ पर कृषि और पशुपालन, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विज्ञान, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन और मानविकी विज्ञान, की शिक्षा और अनुसंधान का कार्य होता हैं।

संस्थान व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता–प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उच्च योग्य प्रशिक्षकों की टीम हैं, जो कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुभव रखते हैं।

संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा में तेजी से विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है, उद्योग की बदलती जरूरतों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया और कई बार व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। पिछले 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया हैं, लेकिन ये नए क्षितिज का पता लगाने और स्थानीय और वैश्विक कैनवास पर लोगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों को फिर से तैयार करने की संभावनाओं एवं अवसरों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

संयुक्त निदेशक
पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002, मध्यप्रदेश, भारत
फो.: +91 755 2660691 | फेक्स: +91 755 2927347, 2660580
ईमेल : jd@psscive.ac.in
www.psscive.ac.in | www.ncert2021.psscive.in